पाठ्यक्रम विवरणिका

स्नातकोत्तर अनुवाद द्विवर्षीय

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी. बी.सी. एस.) -2023

भूमिका

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के स्नातकोत्तर अनुवाद वर्ष 2007 में पाठ्यक्रम को संशोधित एवं परिवर्धित किया था। अब इसी पाठयक्रम को चयन आधारित पद्धति (सी. बी.सी. एस.) को लागू करने के उद्देश्य से स्नातकोत्तर अनुवाद का पाठ्यक्रम 2023-24 के प्रथम सेमेस्टर से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्रों का प्रारूप और अंक विभाजन में अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए हैं। प्रस्तावित पुस्तकों की सूची भी संवर्धित की गई है।

संबद्धता

हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से संबद्ध सभी महविद्यालयों के लिए होगा।

स्नातकोत्तर अनुवाद के पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे :

1. **मूल पाठ्यक्रम** (Core Course) : स्नातकोत्तर अनुवाद के प्रत्येक सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों हेतु यह अनिवार्य होगा। सेमेस्टर-I के अंतर्गत चार मूल पाठ्यक्रम होंगे और सेमेस्टर-II के अंतर्गत चार पाठ्यक्रम होंगे। सेमेस्टर-III के अंतर्गत तीन मूल पाठ्यक्रम होंगे। सेमेस्टर-IV के अंतर्गत अनुवाद प्रबंध लेखन होगा।

2. **ऐच्छिक पाठ्यक्रम** (Elective Course) : सेमेस्टर-III के पाठ्यक्रम में चौथे प्रश्नपत्र के अंतर्गत दो विकल्प होंगे जिसमें से किसी एक का चयन करना होगा।

3. **जेनरिक पाठ्यक्रम** (Genric) : इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दूसरे और चौथे सेमेस्टर के अंतर्गत एक-एक पाठ्यक्रम होगा, जिसे अनुवाद के विद्यार्थी नहीं पढ़ेंगे| **यह पाठ्यक्रम दूसरे विषयों के विद्यार्थियों के लिए होगा|**

नोट : इसके अतिरिक्त तीसरे सत्र के अंतर्गत पाँचवे प्रश्न पत्र के रूप में (केवल एक विकल्प) प्रश्न पत्र AEC का भी होगा, जिसे पढ़ना अनिवार्य है|

पाठ्यक्रम : स्नातकोत्तर अनुवाद (M.A. Translation) कार्यक्रम अनुवर्तन (PO's)

साहित्य ज्ञान : अनुवाद, भाषा और साहित्य के उत्कृष्ट ज्ञान एवं दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर प्रतिस्थापित करना।

समस्या विश्लेषण : अनुवाद के मौलिक और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों का प्रयोग, अनुवाद से संबंधित शोध और उसकी समस्याओं का विश्लेषण एवं मूल निष्कर्ष प्राप्ति।

समाधानों का विकास : मानवीय अनुभव और गहन समीक्षा के माध्यम से विभिन्न सभ्यताओं को समझने और सामाजिक व्यवस्था को बदलने में सहायक होना।

जटिल समस्याओं की जांच का संचालन : अनुवाद की अवधारणा, सिद्धांतों का निरूपण, अवलोकन, विश्लेषण करने हेतु रचनात्मक कौशल का विकास करना।

आधुनिक उपकरण उपयोग : अनुवाद सिद्धांतों के उचित दृष्टिकोणों का चुनाव करते हुए क्रियान्वित करना।

साहित्य और समाज : अनुवाद का सामाजिक योगदान तथा विभिन्न भाषाओं, साहित्य एवं अन्य ज्ञान के अध्ययन में सहायक|

पर्यावरण और स्थिरता : अनुवाद ज्ञान के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरण के दृष्टिकोण और उसकी आवश्यकता को समझना|

नैतिकता : अनुदित कार्यों में दर्शाए गए नैतिक सिद्धांतों को समाज के व्यवसायिक, नैतिकता एवं सामाजिक मानदंडों पर क्रियान्वित करना।

व्यक्तिगत और सामूहिक कार्य : बहुआयामी कार्यों में व्यक्तिगत या सामूहिक नेतृत्व के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य करना।

संचार : वैश्विक समुदाय के स्तर पर समाज के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना, अनुदित दृष्टिकोण के आधार पर सभी शैलियों में दस्तावेजीकरण एवं शोध प्रबंध, शोध आलेख को लिखने-समझने एवं प्रस्तुतिकरण में सक्षम होना, शोध परियोजना बनाने हेतु अभिप्रेरित करना।

आजीवन अधिगम : पीएच. डी. कार्यक्रमों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और प्रेरणा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण करियर शुरू करना, इस प्रकार तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में आजीवन सीखने में संलग्न होना।

कार्यक्रम विशिष्ट अनुवर्तन (PSOs)

1. अनुवाद में उत्कृष्टता, अनुसंधान,भाषा और साहित्य में शिक्षण।
2. अनुवाद, भाषा और साहित्य में वैश्विक मानकों पर आधारित स्नातकोत्तर उपाधि-धारक विद्यार्थी तैयार करना।
3. लेखक, अनुवादक और समालोचक तैयार करना।
4. शिक्षण, अनुसंधान और अनुवाद में देश और विदेशों के साथ परस्पर सहयोग करना।
5. अनुवाद के माध्यम से अनुदित साहित्य, भाषा का प्रचार-प्रसार, व्यवसायाभिमुख कौशल को विकसित करना, भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पुनर्स्थापना।
6. अनुवाद के माध्यम से मीडिया और पत्रकारिता की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान, रोजगारपरकता, वैश्विक स्तर पर मीडिया की व्यापकता एवं महत्ता तथा कौशलता की अभिवृद्धि।

7.अनुवाद के माध्यम से अन्य भाषाओं की लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों के अतिरिक्त सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक, पर्यावरण, चिकित्सा पद्धति के पहलुओं का विवेचन और विश्लेषण।

सेमेस्टर	**कोर्स कोड**	**प्रश्नपत्रों के शीर्षक**	**पाठ्यक्रम अनुवर्तन - Course Outcomes (CO'S)**	**क्रेडिट :** व्याख्यान=5 घंटे प्रतिदिन **अनुशिक्षण** = 1 घंटा प्रति सप्ताह	**रेगुलर विद्याथियों हेतुअंक विभाजन : थ्योरी=80 आंतरिक मूल्यांकन :** (समनुदेशन=10, प्रस्तुतिकरण=5 उपस्थिति =5) **=20**
I	**MTR 101**	अनुवाद : परम्परा एवं प्रकृति	अनुवाद के सैद्धान्तिक और प्राकार्यात्मक पक्षों का ज्ञान कराना| अनुवाद के विशिष्ट आयामों का परिचय| अनुवाद के विभिन्न प्रकृति एवं प्रकारों का ज्ञान।	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 102	अनुवाद : प्रक्रिया एवं सीमाएँ	अनुवाद संबंधी प्रक्रिया का ज्ञान| अनुवाद की सीमाओं की जानकारी| अनुवाद के प्रकारों से अवगत करवाना| अनुवाद सृजन का सम्पूर्ण ज्ञान|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 103	हिंदी भाषिक अनुवाद	भाषा का सामान्य परिचय| शब्द निर्माण संबंधी तत्त्वों की जानकारी| हिंदी भाषा के मानकीकरण का सामान्य परिचय| देवनागरी लिपि एवं मानकीकरण के सोपानों का ज्ञान|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 104	साहित्यिक अनुवाद	साहित्यिक अनुवाद की सामान्य जानकारी प्रदान करना| साहित्यिक एवं साहित्येत्तर अनुवाद में अंतर एवं समस्याओं का ज्ञान| साहित्यिक अनुवाद के रूपों एवं विधान तत्त्वों की जानकारी|	**5+1=6**	**80+20=100**
I I	**MTR 201**	शब्दकोश विज्ञान	हिंदी शब्दकोश की परम्परा एवं स्वरूप की जानकारी| हिंदी शब्दकोशों के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान| शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया एवं व्यावहारिक शब्दार्थ का ज्ञान|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 202	प्रशासनिक अनुवाद	प्रशासनिक अनुवाद के स्वरूप एवं शब्दावली के अंगों का ज्ञान| प्रशासनिक कार्यों में हिंदी प्रयोग की चुनौतियों से अवगत करवाना| प्रशासनिक अनुवाद की सामग्री का व्यावहारिक अभ्यास करवाना|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 203	सामाजिक-सांस्कृतिक विषयक अनुवाद	समाज, संस्कृति अनुवाद का सामान्य परिचय एवं अंतर्संबंधों से अवगत करवाना| बहुभाषिक समाज को अनुवाद के क्षेत्र तथा अनुवाद की सामाजिक एकता की भूमिका का ज्ञान|	**5+1=6**	**80+20=100**

	MTR 204	जनसंचार माध्यम और अनुवाद (जेनेरिक-1)	जनसंचार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान| अनुवाद के विविध परिक्षेत्रों की जानकारी| जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की समस्याएँ एवं अनुवादक की भूमिका से अवगत करवाना|	**04**	**80+20=100**
III	**MTR 301**	पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद	शब्दावली एवं पारिभाषिक शब्दावली की सामान्य जानकारी| पारिभाषिक शब्दावली के क्षेत्रों का अकादमिक ज्ञान| पारिभाषिक शब्दावली के प्रयोजन घटक का व्यावहारिक ज्ञान|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 302	वाणिज्य-विषयक अनुवाद	वाणिज्य क्षेत्र का सामान्य परिचय एवं समस्याओं का ज्ञान| वाणिज्य के विविध क्षेत्रों की व्यावहारिक शब्दावली की जानकारी प्रदान करना| वाणिज्य के उपागमों का सामान्य परिचय एवं हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद का व्यावहारिक अभ्यास|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 303	व्यावहारिक अनुवाद (कार्यालयी एवं प्रोद्योगिकी परिक्षेत्र) अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी)	कार्यालयी एवं प्रोद्योगिकी परिक्षेत्र का हिंदी और अंग्रेजी अनुवाद का अभ्यास-शिक्षण|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 304	भाषा शिक्षण और अनुवाद (विकल्प-एक)	भाषा, मातृभाषा, भाषा शिक्षण के स्वरूप, विविध उपागम, वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी| भाषा शिक्षण की विविध विधियों एवं भाषा कौशल का सैद्धांतिक ज्ञान| भाषा सामग्री निर्माण तथा परिक्षण मूल्यांकन की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 304	अनुवाद का अनुप्रयोगिक सन्दर्भ (विकल्प-दो)	कोश निर्माण की प्रक्रिया को समझना| कोश के प्रकार की जानकारी| कम्प्यूटर के माध्यम से अनुवाद का शिक्षण|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 305	मशीनी अनुवाद **(AEC)**	मशीनी के इतिहास एवं स्वरूप की जानकारी| मशीनी अनुवाद पद्धतियों एवं प्रविधियों का ज्ञान| मशीनी अनुवाद के घटकों एवं चुनौतियों से अवगत करवाना|	**5+1=6**	**80+20=100**
IV	**MTR 401**	विज्ञान-विषयक अनुवाद	विज्ञान विषयक अनुवाद के स्वरूप एवं समस्याओं से अवगत होना| विज्ञान के विविध क्षेत्रों की सामान्य जानकारी| विज्ञान-विषयक विविध क्षेत्रों का हिंदी-अंग्रेजी का व्यावहारिक अभ्यास|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 402	व्यावहारिक अनुवाद (विधि एवं संसदीय परिक्षेत्र)	विधि एवं संसदीय परिक्षेत्र का हिंदी और अंग्रेजी अनुवाद का अभ्यास-शिक्षण|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 403	अनुवाद प्रबंध लेखन	अनुवाद प्रबंध लेखन के माध्यम से शोधपरक दृष्टि को विकसित करना| अनुवाद लेखन का अभ्यास|	**5+1=6**	**80+20=100**
	MTR 404	सोशल मीडिया(जेनेरिक-दो)	सोशल मीडिया की सामान्य जानकारी| सोशल मीडिया के माध्यम से लोकतंत्र, जनमत निर्माण से अवगत होना| सोशल मीडिया के विविध पक्षों एवं व्यवसायिक परिप्रेक्ष्य का ज्ञान|	**04**	**80+20=100**

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी. बी.सी. एस.) के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुवर्तन (Course Outcomes(CO'S) तथा अन्य विवरण निम्न प्रकार है :

पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर अनुवादका यह पाठ्यक्रम द्विवर्षीय पाठ्यक्रम होगा, जिसे वर्ष में दो सेमेस्टर और पूर्ण पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्देशित एवं निर्मित पाठ्यक्रम के आधार को स्वीकृत करते हुए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के चार सेमेस्टर के चयन आधारित '**क्रेडिट पद्धति (सीबीसीएस)**' के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन पद्धति को तैयार किया जाएगा। जिसमें प्रथम सेमेस्टर के अनुरूप प्रश्नपत्रों का विवरण निम्न प्रकार से है-

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर अनुवाद- 2023

पाठ्यक्रम - MTR 101	अनुवाद : परम्परा एवं प्रकृति
पाठ्यक्रम - MTR 102	अनुवाद : प्रक्रिया एवं सीमाएँ
पाठ्यक्रम - MTR 103	हिंदी भाषिक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 104	साहित्यिक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 201	शब्दकोश विज्ञान
पाठ्यक्रम - MTR 202	प्रशासनिक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 203	सामाजिक-सांस्कृतिक विषयक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 204	जनसंचार माध्यम और अनुवाद (जेनेरिक-एक)
पाठ्यक्रम - MTR 301	पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 302	वाणिज्य-विषयक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 303	व्यावहारिक अनुवाद (कार्यालयी एवं प्रोद्योगिकी परिक्षेत्र) अंग्रेजी-हिंदी-अंग्रेजी
पाठ्यक्रम - MTR 304	भाषा शिक्षण और अनुवाद (विकल्प-एक)
पाठ्यक्रम – MTR 304	अनुवाद का अनुप्रयोगिक सन्दर्भ (विकल्प-दो)
पाठ्यक्रम – MTR 305	मशीनी अनुवाद **(AEC)**
पाठ्यक्रम - MTR 401	विज्ञान-विषयक अनुवाद
पाठ्यक्रम - MTR 402	व्यावहारिक अनुवाद (विधि एवं संसदीय परिक्षेत्र)
पाठ्यक्रम - MTR 403	अनुवाद प्रबंध लेखन
पाठ्यक्रम - MTR 404	सोशल मीडिया (जेनेरिक-दो)

(डॉ. शोभा रानी)
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं
अध्यक्ष अध्ययन समिति
हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला-5

पहला सत्र

प्रश्न पत्र – MTR 101

अनुवाद : परम्परा एवं प्रकृति

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

अनुवाद की अवधारणा :

अनुवाद का अर्थ एवं परिभाषा

अनुवाद का स्वरूप (विस्तृत और सीमित संदर्भ में)

अनुवाद का महत्त्व, विशेषताएँ एवं चुनौतियां

खंड-2

अनुवाद की परम्परा और चिन्तन :

अनुवाद सिद्धांत

प्राचीन भारतीय चिन्तन परम्परा

पाश्चात्य चिन्तन परम्परा

आधुनिक और उत्तर आधुनिक चिन्तन परम्परा

खंड-3

अनुवाद की प्रकृति :

अनुवाद कला, विज्ञान, शिल्प

अनुवादनीयता

अनुदित कृति का प्रयोजन, प्रकार

आधुनिक हिंदी अनुवाद की प्रकृति

खंड-4

अनुवादक : कार्य कौशल

अनुवादक के गुण, योग्यता, दायित्व एवं अपेक्षाएं

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली।
2. हिन्दी अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
3. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. अनुवाद-सिद्धान्त की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. अनुवाद विज्ञान, डॉ. नगेन्द्र (सं.), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
7. अनुवाद बोध, डॉ. गार्गी गुप्त (सं.), भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।
8. अनुवाद प्रक्रिया, डॉ. रीतारानी पालीवाल, साहित्यनिधि, दिल्ली।
9. अनुवाद कला, डॉ. एन.ई. विश्वानाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
1.. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, डॉ. आरसु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. काव्यानुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दकार, दिल्ली।
12. वैज्ञानिक शब्दावली, अनुवाद एवं मौलिक लेखन, वीर सिंह आर्य (सं.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार, दिल्ली।
13. अनुवाद : सोच और संस्कार, डॉ. सोहन शर्मा (सं.), समति प्रकाशन, बम्बई।
14. अनुवाद भाषाएं : समस्याएँ, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, स्वाति प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्न पत्र - MTR 102

अनुवाद : प्रक्रिया एवं सीमाएँ

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

अनुवाद की प्रक्रिया :

सामान्य विश्लेषण, अनुवाद प्रक्रिया के चरण - पाठ विश्लेषण के स्तर पर, अंतरग के स्तर पर तथा पुनर्गठन के स्तर पर।

खंड-2

अनुवाद की सीमाएँ :

भाषापरक, सामाजिक-सांस्कृतिक. पाठपरक एवं अन्य सीमाएँ।

खंड-3

अनुवाद का वर्गीकरण :

विषय का आधार- साहित्यिक और साहित्येत्तर

प्रक्रिया और पाठ के आधार पर- अंतः भाषिक, अंतर भाषिक और अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद, समग्र और परिसीमित अनुवाद, पाठधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद|

खंड-4

अनुवाद के प्रकार :

शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद और छायानुवाद, सारानुवाद और व्याख्यानुवाद, पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, व्यक्तिगत अनुवाद, सामूहिक अनुवाद, आशु अनुवाद, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद, लिप्यंकन और लिप्यंतरण ।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के पत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुवाद : सिद्धान्त और समस्याएँ, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली।
2. हिन्दी अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
3. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. अनुवाद-सिद्धान्त की रूप रेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. अनुवाद विज्ञान, डॉ. नगेन्द्र (सं.), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
7. अनुवाद बोध, डॉ. गार्गी गुप्त (सं.), भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।
8. अनुवाद प्रक्रिया, डॉ. रीतारानी पालीवाल, साहित्यनिधि, दिल्ली।
9. अनुवाद कला, डॉ. एन.ई. विश्वानाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
1.. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, डॉ. आरसु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. काव्यानुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दकार, दिल्ली।
12. वैज्ञानिक शब्दावली, अनुवाद एवं मौलिक लेखन, वीर सिंह आर्य (सं.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार, दिल्ली।
13. अनुवाद : सोच और संस्कार, डॉ. सोहन शर्मा (सं.), समति प्रकाशन, बम्बई।
14. अनुवाद भाषाएं : समस्याएँ, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, स्वाति प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्न पत्र – MTR 103

हिंदी भाषिक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

शब्द निर्माण प्रक्रिया :

शब्द से तात्पर्य, शब्द रचना, शब्दों के वर्ग, रूढ़ शब्द, यौगिक शब्द, योग रूढ़ शब्द,
शब्द रचना के उपादान-धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि, शब्द निर्माण।

खंड-2

पारिभाषिक शब्दावली :

पारिभाषिक शब्द से तात्पर्य, पारिभाषिक शब्द के लक्षण, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत एवं प्रक्रिया, पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता|

खंड-3

भाषा और मानकीकरण :

अनुवाद के सन्दर्भ में मानकीकरण की उपयोगिता, भाषा मानकीकरण- सहज ऐतिहासिक प्रक्रिया, सचेष्ट शुद्धिकरण प्रक्रिया, आधुनिकीकरण प्रक्रिया|

मानकीकरण प्रक्रिया के सोपान - कोडीकरण, विस्तारीकरण, शैलीकरण।

खंड-4

देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास :

देवनागरी लिपि और वर्तनी का मानकीकरण : हिन्दी वर्णमाला और अंक मानकीकरण, हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण|

देवनागरी लिपि में संशोधन |

देवनागरी के संशोधित तथा मानक रूपों का मूल्यांकन।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी तथा अन्य, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
2. अनुवाद: भाषाएं: समस्याएँ, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, स्वाति प्रकाशन, दिल्ली।
3. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, डॉ. रमण सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. अनुवाद बोध, डॉ. गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।

प्रश्न पत्र – MTR 104
साहित्यिक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

साहित्यिक अनुवाद : अवधारणा

साहित्यानुवाद : अर्थ, स्वरूप, परिभाषा
साहित्य अनुवाद की विशेषताएं
साहित्य अनुवाद : आवश्यकता एवं महत्व
साहित्य अनुवाद की समस्याएं

खंड-2

साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद

साहित्येतर अनुवाद का स्वरूप विशेषताएं
साहित्येतर अनुवाद के प्रकार
साहित्येतर अनुवाद की समस्याएं
साहित्यिक अनुवाद एवं साहित्येतर अनुवाद में संबंध एवं अंतर

खंड-3

साहित्यकानुवाद : विधान तत्त्व

सर्जनात्मक गद्य का अनुवाद : वक्रोक्ति, व्यंजना, मुहावरे, लोकोक्तियाँ
काव्यानुवाद : लय, तुक, छंद, बिम्ब, प्रतीक, मिथक, रस, अलंकार
नाट्यनुवाद : तान, अनुतान, बलाघात, ध्वन्यात्मकता, अपूर्ण और संकेतात्मक वाक्य-रचना

खंड-4

साहित्यकानुवाद के विविध रूप (व्यावहारिक पक्ष)

काव्यानुवाद (गीतांजलि कविता संग्रह से प्रथम पांच कविताएँ)
नाटकानुवाद (द मर्चेंट ऑफ़ वेनिस)
कहानी अनुवाद (शतरंज के खिलाड़ी)

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएं, भोलानाथ तिवारी व किरण बाला,शशब्दकार,शाहदरा दिल्ली l
2. काव्यानुवाद की समस्याएं, भोला नाथ तिवारी व महेंद्र चतुर्वेदी (सं.), शब्दाकार, शाहदरा दिल्ली l
3. भाषा स्वरूप और संरचना, हेमचंद्र पांडेय,ग्रंथालोक प्रकाशन दिल्ली
4. अनुवाद की भूमिका, डॉ के.के गोस्वामी,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
5. अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीकी और समस्याएं,डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. Gitanjali, W.B.Yeats, Macmillan Company, Newyork, 1920

दूसरा सत्र

प्रश्न पत्र – MTR 201
शब्दकोश विज्ञान

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड -1

कोश विज्ञान : अवधारणा-

शब्द कोश विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

शब्द कोश : महत्ता

हिंदी शब्दकोश : परम्परा

खंड-2

कोश : विविध प्रकार-

एकभाषी, द्विभाषी, बहुभाषी

व्युत्पति कोश, उच्चारण कोश, साहित्य कोश, थिसारस एवं विश्वकोश

पारिभाषिक कोश

खंड -3

शब्दकोश निर्माण की प्रक्रिया-

नियोजन, सामग्री, संकलन, प्रविष्टि चयन, अर्थगत अभिलक्षण

शब्दार्थ संग्रह की समस्याएं

अनुवाद में कोश की उपयोगिता

खंड-4 व्यावहारिक शब्दार्थ अध्ययन-

अंग्रेजी हिंदी कोश- फादर कामिल बुल्के

प्रशासनिक शब्दावली- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुवाद और परिभाषिक शब्दावली, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
2. वृहद परिभाषिक शब्द संग्रह, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग भारत सरकार, 1997
3. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, डॉ रमन सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद साधना, डॉ पूरन चंद टंडन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद :सोच और संस्कार, डॉ सोहन शर्मा, समिति प्रकाशन, बम्बई

प्रश्न पत्र – MTR 202

प्रशासनिक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड -1

प्रशासनिक अनुवाद : स्वरूप, प्रकृति एवं अंग

प्रशासनिक भाषा : स्वरूप एवं प्रकृति

प्रशासनिक शब्दावली की विशेषताएं

प्रशासनिक भाषा एवं शब्दावली के अंग- अभिव्यक्तियाँ और टिप्पणियां, पदनाम, संक्षिप्तयाँ

वाक्य-विन्यास और संरचना

खंड -2

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग और अनुवाद-

कार्यालयी भाषा का स्वरूप और प्रशासनिक हिंदी

प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की भूमिका

प्रशासनिक हिंदी की चुनौतियाँ

खंड-3

प्रशासनिक सामग्री का अनुवाद-

सरकारी पत्रों का अनुवाद

टिप्पण और प्रारूपण का अनुवाद

विधिक अनुवाद

बैंकिंग अनुवाद

सरकारी रपटों का अनुवाद

खंड-4

प्रशासनिक अनुवाद की सामान्य कमियां और समाधान-

शाब्दिक अनुवाद, भाषा की प्रकृति तथा शब्द और अर्थ संबंधी कमियां और समाधान

प्रशासनिक जानकारी का अभाव और समाधान

अभ्यास (अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी)

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1.औपचारिक पत्र -लेखन, ओम प्रकाश सिंहल, किताबघर, नयी दिल्ली l

2. प्रशासनिक शब्दमालाएं, शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली l

3. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली l

4. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार, डॉ नगेंदर (सम्पादक) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्व विद्यालय, दिल्ली l

5. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग, कैलाशचंद भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली l

6. अनुवाद के विविध आयाम, पूरनचंद टण्डन, हरीश कुमार सेठी,तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली l

प्रश्न पत्र – MTR 203

सामाजिक-सांस्कृतिक विषयक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

समाज, संस्कृति और अनुवाद

समाज और संस्कृति : परिभाषा, अर्थ, स्वरूप, प्रकृति
समाज और संस्कृति का वैशिष्ट्य
सामाजिक और सांस्कृतिक एकता में अनुवाद की समस्याएँ

खंड-2

बहुभाषिक समाज और अनुवाद

बहुभाषिक समाज से तात्पर्य
बहुभाषिक समाज में सम्पर्क भाषा
बहुभाषिक समाज में अनुवाद के क्षेत्र
राष्ट्रीय, सांस्कृतिक, सामाजिक एकता में अनुवाद की भूमिका
भाषा और संस्कृति

खंड-3

अनुवाद : प्रकार्यात्मक और सांस्कृतिक

सांस्कृतिक लेन देन और अनुवाद की प्रक्रिया
प्रकार्यात्मक और सांस्कृतिक पुनर्गठन का परिप्रेक्ष्य
परिस्थितिकी और संस्कृति : मैदान, पहाड़, घाटियां, नदियाँ, वन
भौतिक संस्कृति : वेश-भूषा, खान-पान, रीति-रिवाज, आवास
साहित्य और संस्कृति : गद्य, पद्य, छंद, अलंकार, महाकाव्य, नाटक, अभिव्यक्ति कौशल

खंड-4

मुहावरे और लोकोक्तियाँ : व्यावहारिक अभ्यास

विशिष्ट सांस्कृतिक शब्दावली और अभिव्यक्तियाँ
मुहावरा मीमांसा : परिभाषा, निर्मित और वर्गीकरण
मुहावरों का व्यावहारिक अनुवाद
लोकोक्ति मीमांसा : परिभाषा, निर्मित और वर्गीकरण

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भोलानाथ तिवारी : अनुवाद विज्ञान
2. कैलाश चंद्र भाटिया : अनुवाद विज्ञान
3. (सं०) डा० नगेन्द्र : अनुवाद विज्ञान
4. प्रदीप सक्सेना : अनुवाद सैद्धांतिकी
5. यू. ए. माइडा : दुबईस साइंस ऑफ ट्रांसलेशन
6. रीतारानी पालीवाल : अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, वाणी प्रकाशन
7. सूजां : ट्रांसलेशन स्टडीज़
8. डा. आलोक कुमार रस्तोगी, हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
9. भोलानाथ तिवारी व किरण बाला : भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएँ, शब्दकार, शाहदरा, दिल्ली

प्रश्न पत्र – MTR 204
(जेनेरिक-1)
जनसंचार माध्यम और अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

जनसंचार : अवधारणा एवं स्वरूप-

जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

जनसंचार का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

जनसंचार के प्रकार (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया और नव इलेक्ट्रोनिक मीडिया)

खंड-2 अनुवाद : विविध परिक्षेत्र-

समाचार लेखन और अनुवाद

विज्ञापन अनुवाद

टेलीविजन और कार्यक्रम रूपांतरण

प्रौद्योगिकी अनुवाद

नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और अनुवाद

खंड-3 जनसंचार एवं भाषा-

जनसंचार एवं भाषा का अंत:संबंध

जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की समस्याएं

जनसंचार माध्यमों में अनुवादक की भूमिका

खंड-4 अनुवाद : प्रयोग

मुद्रित माध्यमों का अनुवाद

फिल्मों में डबिंग और अनुवाद

पार्श्व वाचन और अनुवाद

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएं, डॉ. भोलानाथ तिवारी शब्दकार प्रकाशन,दिल्ली
2. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्डा, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
3.अनुवाद बोध, डॉ गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
4.अनुवाद और मीडिया (नई सदी में सिद्धांत स्वरूप) डॉ कृष्ण कुमार रत्तू, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत, नरेंद्र सिंह यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. अनुवाद बोध, डॉ गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
7. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, डॉ रमन सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

तीसरा सत्र

प्रश्न पत्र – MTR 301
पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

पारिभाषिक शब्दावली अवधारणा और स्वरूप-

शब्दावली : अवधारणा और आयाम

परिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय प्रकृति प्रकार और अभिलक्षण

परिभाषिक शब्दावली : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

परिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत एवं समस्याएँ

खंड-2

परिभाषिक शब्दावली और अनुवाद-

परिभाषिक शब्दावली : विचारधाराएँ एवं युक्तियाँ

परिभाषिक शब्दावली अनुवाद का सन्दर्भ

परिभाषिक शब्दावली की जटिलता का प्रश्न

खंड-3

परिभाषिक शब्दावली : अकादमी क्षेत्र-

साहित्यिक

मानविकी

विज्ञान

तकनीकी

हिंदी पारिभाषिक शब्दावली की वर्तमान स्थिति

खंड-4

परिभाषिक शब्दावली : व्यावहारिक (प्रयोजनपरक क्षेत्र)-

प्रशासनिक एवं कार्यालयी

वाणिज्य

बीमा एवं बैंकिंग

कंप्यूटर एवं इंटरनेट

मीडिया

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. परिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं, डॉ भोलानाथ तिवारी तथा अन्य, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
2. अनुवाद : भाषाएं, समस्याएं, डॉ एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, स्वाति प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, डॉ रमन सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद बोध, डॉ गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
5. वृहद परिभाषिक शब्द संग्रह

प्रश्न पत्र – MTR 302
वाणिज्यिक-विषयक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

वाणिज्यिक भाषा और अनुवाद-

वाणिज्य क्षेत्र : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
वाणिज्यिक संस्थाओं में हिन्दी
व्यावसायिक क्षेत्र में विज्ञापनों की भाषा
वाणिज्य-विषयक अनुवाद की समस्याएँ

खंड-2

वाणिज्य के क्षेत्र-

बैंकिंग विषयक
बीमा विषयक
शेयर डिबेंचर
संचार विषयक क्षेत्र
व्यावहारिक शब्दावली (राजस्व एवं कराधान विषयक)

खंड-3

विभिन्न सामाजिक वाणिज्यिक उपागम-

इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप
टिकटॉक, टेलीग्राम,यूट्यूब
स्नेपचैट, ट्यूटर, पिनत्रेस्ट
डिजिटल मार्केटिंग इत्यादि

खंड-4

वाणिज्यिक क्षेत्र का अनुवाद : व्यावहारिक पक्ष-

बैकिंग विषयक (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद)
बीमा विषयक (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद)
शेयर - डिबेंचर (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद)
संचार सेवा (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद)
राजस्व एवं कराधान (हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद)

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. वाणिज्य शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली|
2. व्यवसायिक हिंदी, दिलीप सिंह, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
3. बैंकिंग एवं बीमा शब्दावली, डॉ. सुरेन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कम्प्यूटर के सिद्धांत : तकनीक और देखभाल, डॉ. सुनील जोगी, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन , दिल्ली|

प्रश्न पत्र – MTR 303

व्यावहारिक अनुवाद (कार्यालयी एवं प्रोद्योगिकी परिक्षेत्र)

(अंग्रेजी -हिंदी -अंग्रेजी)

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

(सैद्धांतिक पक्ष)

कार्यालयी अनुवाद के परिक्षेत्र का सामान्य परिचय
प्रद्योगिकी अनुवाद के परिक्षेत्र का सामान्य परिचय
कार्यालयी एवं प्रद्योगिकी अनुवाद की समस्याएं

खंड-2

(व्यावहारिक पक्ष)

कार्यालयी अनुवाद से एक अनुच्छेद का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद
कार्यालयी अनुवाद से एक अनुच्छेद का अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद

खंड-3

(व्यावहारिक पक्ष)

प्रोद्योगिकी अनुवाद का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद
प्रद्योगिकी अनुवाद शब्दावली : हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद

खंड-4

(व्यावहारिक पक्ष)

लिप्यन्तरण, अशुद्धिशोधन
रोमन लिपि से देवनागरी लिपि में एक अनुच्छेद का लिप्यन्तरण
हिन्दी में किसी अनुदित अनुच्छेद अथवा वाक्यों की अशुद्धियों का शोधन

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1.हिंदी-अंग्रेजी अभिव्यक्ति कोश, डॉ कैलाश चंद भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2.सृजनात्मक लेखन, अनुवाद और हिंदी, डॉ पूरन चंद टंडन, डॉ मुकेश अग्रवाल, किताब घर, दिल्ली
3. पत्रकारिता के विविध संदर्भ, डॉ वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना,बिहार l
4. बैंकों में अनुवाद प्रविधि, डॉ सुनीता कुचित पादम, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
5. भाषा प्रोद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन, सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली l

प्रश्न पत्र – MTR 304
(विकल्प-1)
भाषा शिक्षण और अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

भाषा शिक्षण-

भाषा, मातृभाषा एवं अन्य भाषा शिक्षण : स्वरूप एवं प्रकृति
भाषा शिक्षण के विविध उपागम
भाषा शिक्षण का भाषा वैज्ञानिक पक्ष
भाषा शिक्षण की विविध विधियाँ : प्रत्यक्ष संरचनात्मक, व्याकरण एवं अनुवाद विधि

खंड-2

भाषा अधिगम और भाषा कौशल-

भाषा अधिगम : सिद्धांत और प्रविधि
भाषा कौशल का विकास
श्रवण, बोधन, वाचन और लेखन
मौखिक कौशल, पठन, लेखन कौशल

खंड-3

भाषा सामग्री का निर्माण-

मौखिक सामग्री
निदानात्मक सामग्री
सुधारात्मक सामग्री
सहायक उपकरण

खंड-4

परीक्षण एवं मूल्यांकन-

व्यतिरेक विश्लेषण
त्रुटि विश्लेषण
भाषा शिक्षण में प्रयोगशाला और मल्टीमीडिया
भाषा शिक्षण में अनुवाद की भूमिका

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भाषा-शिक्षण सिद्धान्त और प्रविधि, मनोरमा गुप्ता, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा,
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी शिक्षण का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, बीना शर्मा, गिरीश्वर मिश्र (सं) नई किताब, दिल्ली
4. हिंदी शिक्षण, जयनारायण कौशिक, हरियाणा साहित्य, अकादमी, पंचकूला
5. अनुवाद भाषाएँ : समस्याएँ, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, स्वाति प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्न पत्र – MTR 304

(विकल्प-दो)

अनुवाद का अनुप्रायोगिक संदर्भ

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

अनुवाद कोश निर्माण :

कोश से तात्पर्य और परिभाषा,

कोश निर्माण प्रक्रिया- नियोजन, सामग्री संकलन, प्रविष्टि चयन, अर्थगत अभिलक्षण

अनुवाद कोश निर्माण का महत्त्व, अनुवाद में कोशों की उपयोगिता।

खंड-2

कोश के प्रकार :

एक भाषी कोश, द्विभाषी कोश और बहुभाषी कोश, व्यवसाय कोश, उच्चारण कोश, पर्याय कोश, विलोम कोश, अध्येता कोश, विश्वकोश, संस्कृति कोश, नामकोश, साहित्य कोश, बोली कोश आदि।

कोश, पाराभाषिक शब्दावली एवं थिसॉरिस में अन्तर|

खंड-3

अनुवाद और कंप्यूटर :

कंप्यूटर का संक्षिप्त परिचय- सामग्री संकलन में कम्पयूटर का प्रयोग, प्रयोग आवृत्ति के निर्धारण में कंप्यूटर का प्रयोग, अर्थ निर्धारण में कंप्यूटर का प्रयोग, प्रेस कॉपी निर्माण तथा मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग।

खंड-4

कंप्यूटर (मशीनी) अनुवाद :

कंप्यूटर अनुवाद की प्रकृति, कंप्यूटर और शब्दकोश, कंप्यूटर और व्याकरणिक नियमों में संयोजन, कंप्यूटर अनुवाद की उपयोगिता।

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कोशविज्ञान, सिद्धांत एवं अनुप्रयोग, राम अधार सिंह, हिन्दी प्रचारिणी सभा, मद्रास।
2. कोश निर्माण,सिद्धांत और परंपरा, सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
3. कंप्यूटर के भाषिक, अनुप्रयोग विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कंप्यूटर, सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

प्रश्न पत्र – MTR 305

मशीनी अनुवाद (AEC)

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

मशीनी अनुवाद : अवधारणा और प्रक्रिया :

मशीनी का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रकार

मशीनी अनुवाद की आवश्यकता

मशीनी अनुवाद का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

खंड-2

मशीनी अनुवाद की पद्धतियाँ एवं प्रविधियां :

प्रत्यक्ष मशीनी अनुवाद पद्धति

अंतरण मशीनी अनुवाद पद्धति

अंतर्भाषिक मशीनी अनुवाद पद्धति

प्रत्यक्ष अनुवाद प्रविधि

नियम आधारित प्रविधि

कॉर्पस आधारित प्रविधि

हाइब्रिड तकनीक प्रविधि

खंड-3

मशीनी अनुवाद प्रकृति एवं घटक

मशीनी साधित मानव अनुवाद

मानव साधित मशीनी अनुवाद

स्वचालित मशीनी अनुवाद

घटक :

भाषा

कम्प्यूटर

मानव

खंड-4

मशीनी अनुवाद की चुनौतियाँ :

वाक्य और शब्द सीमाओं का निर्धारण

द्विअर्थता

संरचनात्मक जटिलताएँ

बहुशब्दीय अभिव्यक्तियाँ

डेटा डाइल्यूशन

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018

2 अनुवाद अनुसृजन, अरविन्दाक्षन, राजकमल प्रकाशन, 2019

3. कम्प्यूटर परिचालन तत्त्व, राम बंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2010

4. कैलाश चन्द्र भाटिया, अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशील प्रकाशन, दिल्ली

5. Corpora in Applied Linguistics, Becent Sites London Cambridge University Press. 2002

6. Machine Translation System, Slocum Jonathan, London, Cambridge University Press. 1955

चौथा सत्र

प्रश्न पत्र – MTR 401
विज्ञान-विषयक अनुवाद

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

विज्ञान और अनुवाद

विज्ञान : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

विज्ञान की भाषा का वैशिष्ट्य

विज्ञान-विषयक अनुवाद की समस्याएँ

खंड-2

विज्ञान : विविध क्षेत्र

भौतिकी

वनस्पति विज्ञान

प्राणी विज्ञान

जीव विज्ञान

आयुर्विज्ञान

खंड-3

विज्ञान और जीव विज्ञान-विषयक अनुवाद : व्यावहारिक विज्ञान

विज्ञान विषयक (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद

विज्ञान-विषयक : हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद

जीवन विज्ञान विषयक (प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जीवविज्ञान) अंग्रेजी हिन्दी अनुवाद

जीव विज्ञान विषयक : हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद

खंड-4

आयुर्विज्ञान और कृषि विज्ञान विषयक अनुवाद : व्यावहारिक

आयुर्विज्ञान विषयक : अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद

आयुर्विज्ञान विषयक : हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद

कृषि विज्ञान विषयक : अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद

कृषि विज्ञान विषयक : हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. रामचन्द्र वर्मा : शब्दकोश
2. डॉ. नगेन्द्र : अनुवाद विज्ञान
3. डॉ. सूरजभान सिंह : अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण
4. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह : कृषि-विज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
5. वृहद् पारिभाषिक शब्द संग्रह, इंजीनियरी-11 (वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
6. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, इंजीनियरी (सिविल, विद्युत, यांत्रिक), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
7. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह विज्ञान : खंड 2, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

8. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
9. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, मुद्रण, इंजीनियरी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
10. इस्पात एवं अलोह धातुकर्म शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
11. वृहद् पारिभाषिक शब्द संग्रह विज्ञान : खंड-1, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
12. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान भेषज विज्ञान, शारीरिक नृविज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
13. वृहद् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान, कृषि एवं इंजीनियरी (हिंदी-अंग्रेजी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

प्रश्न पत्र – MTR 402

व्यावहारिक अनुवाद (विधि एवं संसदीय परिक्षेत्र)

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

(सैद्धांतिक पक्ष)

विधि एवं संसदीय परिक्षेत्र का सामान्य परिचय

विधि एवं संसदीय अनुवाद की समस्याएं

खंड-2

(व्यावहारिक पक्ष)

विधि क्षेत्र से एक अनुच्छेद का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

संसदीय क्षेत्र से एक अनुच्छेद का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

खंड-3

(व्यावहारिक पक्ष)

विधि क्षेत्र से एक अनुच्छेद का हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद

संसदीय क्षेत्र से एक अनुच्छेद का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद

खंड-4

(व्यावहारिक पक्ष)

लिप्यन्तरण, अशुद्धिशाधन

रोमन लिपि से देवनागरी लिपि में एक अनुच्छेद का लिप्यन्तरण

हिन्दी में किसी अनुदित अनुच्छेद अथवा वाक्यों की अशुद्धियों का शोधन

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

प्रश्न पत्र – MTR 403

अनुवाद प्रबंध लेखन

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 100 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत सामान्य प्रकार की कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी। इसमें विद्यार्थी को चौथे सेमेस्टर की लिखित परीक्षा से पहले एक टंकित अनुवाद प्रबन्ध इस प्रकार जमा करना होगा :

1. विभागीय समिति द्वारा अंग्रेज़ी की किसी प्रकाशित पुस्तक के पचास पृष्ठों का अंश निर्धारित किया जाएगा, अनुवाद का विषय और निर्देशक का निर्धारण दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा के बाद ही विभागीय समिति द्वारा कर दिया जाएगा।
2. जमा किए गए अनुवाद प्रबन्ध का मूल्यांकन बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।
3. अनुवाद प्रबन्ध में लगभग पाँच पृष्ठों की एक भूमिका जोड़ना अनिवार्य होगा जिसमें परीक्षार्थी अपने अनुवाद की विधि को स्पष्ट करेगा।
4. अनुवाद प्रबन्ध विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित चौथे सेमेस्टर की परीक्षा तिथि को जमा करवाना अनिवार्य होगा। इस नियम में सामान्यतया कोई छूट नहीं दी जाएगी| विशेष परिस्थितयों में विभागीय समिति दो महीने की छूट दे सकती है| अन्यथा विद्यार्थी अगले (चौथे सत्र) के विद्यार्थियों के साथ अपना अनुवाद प्रबंध जमा कर सकेगा और उस सत्र के परीक्षार्थियों के साथ ही उसका शोध प्रबंध मूल्यांकन के लिए भेजा जाएगा| इस समय तक भी यदि वह अनुवाद प्रबंध जमा नहीं करवा पाता तो उसका परीक्षा परिणाम निरस्त समझा जाएगा|

निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में अनुवाद प्रबंध लेखन का मूल्यांकन बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा|
2. प्रबंध लेखन के मूल्यांकन के लिए निर्धारित अंक 100 होंगे|
3. प्रबंध लेखन के आंतरिक मूल्यांकन अंक नहीं होंगे|

प्रश्न पत्र– MTR 404 (जेनेरिक-दो)

सोशल मीडिया

समय : तीन घण्टे, पूर्णांक : 80 (रेगुलर विद्यार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

सोशल मीडिया : अवधारणा

सोशल मीडिया का स्वरूप एवं प्रकार
सोशल मीडिया का उद्भव एवं विकास
सोशल मीडिया, भाषा, समाज, संस्कृति एवं प्रभाव
सोशल मीडिया की आचार संहिता

खंड-2

सोशल मीडिया और लोकतंत्र

जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया
जनांदोलन और सोशल मीडिया
जनसंपर्क, जनमत निर्माण और सोशल मीडिया
सोशल मीडिया और गवर्नेंस

खंड-3

सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य

ब्रांड मेकिंग, ब्रांड बाजार
बाजार, बाजार की रणनीति
उपभोक्ता जागरूकता
व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा

खंड-4

सोशल मीडिया : विविध पक्ष

सोशल मीडिया और स्त्री
सोशल मीडिया और युवा वर्ग
सोशल मीडिया : बाल एवं वृद्ध
आपदा और सोशल मीडिया

अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा (20x4=80) |

अनुशंसित पुस्तकें :

1. संजय द्विवेदी संपा, सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद
2. संजय द्विवेदी संपा., मीडिया भूमण्डलीकरण और समाज
3. रमा, सोशल मीडिया और स्त्री
4. जगदीश्वर चतुर्वेदी, वर्चुअल रिएलिटी और इन्टरनेट
5. जयप्रकाश त्रिपाठी, क्लास रिपोर्टर
6. माधव हाड़ा, सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया
7. सौरभ शुक्ला, नए जमाने की पत्रकारिता
8. मनोज कुमार, पत्रकारिता से मीडिया तक
9. विजय कुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग